NEWSLETTER

शनिवार, 15 अप्रैल 2023 | वॉल्यूम - 41

चैप्टर 52 : 1 साल में मार्च माह का एक्सपोर्ट 313 मिलियन डॉलर हुआ कम

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 60348
SILVER : 75665
CRUD OIL : 6759

पिछले साल कपास बाजार में तेजी का रूख था जिसकी वजह से कई व्यापारियों को मुनाफा भी हुआ लेकिन इस साल शुरू से आखिर तक भाव लगभग एक जैसे ही रहे। अभी भी कपास 7000 से 8000 के बीच टेड कर रहा है। धीमी आवक, मांग में कमी और कम पैदावार जैसी कई बाधाओं ने इस बार कॉटन उद्योग पर धावा बोला है। नतीजा, मिल्स और फैक्टी आधी से भी कम क्षमता पर काम करने को मजबूर है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस साल कॉटन उद्योग 40 प्रतिशत नुकसान में है। यह कहना है राजस्थान के श्रीगंगानगर के जाने-माने कॉटन सीड ब्रोकर पवन मितल ने। वे राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा और पंजाब में कारोबार करते है।

40 % नुकसान में है कॉटन उद्योग

पवन मित्तल
(कॉटन, सीड ब्रोकर एंड ट्रेडर)

उन्होंने कहा कि कपास बाजार की उतार-चढ़ाव का सीधा असर इससे जुड़े प्रोडक्ट पर होता है। खल और सीड मार्केट में भी इस बार डिमांड बहुत कम है। पिछले 3-4 महीने से खल मार्केट में स्थिरता बरकरार है। जौ, गेंहू और बाजरा का सीजन आ गया है। जौ बाजार में 16 रूपए किलो मिल रहा है जबकि खल 32 रूपए किलो है। इसलिए पशु आहार के तौर पर लोग जौ का इस्तेमाल ज्यादा कर रहे है। इसके अलावा बाजार में उपलब्ध कैटल फीड का पाउडर भी 12-13 रूपए किलो में उपलब्ध है यही कारण है कि खल जैसे महंगे पशु आहार की मांग बहुत कम हो गई है।

व्यापारी की भूमिका में है किसान

सरकार किसानों की सहायता के लिए तत्पर है इसकी वजह से किसानों की क्षमता बहुत बढ़ गई है। उन्हें बिना ब्याज की राशि मिल रही है, फसल नुकसान के लिए मुआवजा मिल रही है। इन सब कारणों से उनकी आर्थिक स्थिति सुधरी है। लेकिन इसका नुकसान यह हुआ है कि किसान व्यापारी की भूमिका में आ गया है। इस बार जिस तरह से किसानों ने कपास रोककर रखा है उसकी वजह से व्यापार की गति बहुत धीमी हो गई है।

बिक्री है ही नहीं

हमारे जिले में 50 कॉटन फैक्टी है वर्तमान में केवल 25 चालू स्थिति में है और वो भी 20 घंटे की जगह 12 घंटे ही चल रही है। हनुमानगढ़ और गंगानगर में कुल मिलाकर 30 ऑयल मिल है, जो खल बनाती है। इस सीजन उसमें से केवल 15 ही चालू रही और वर्तमान स्थिति में इन 15 में से भी 10 बंद हो चुकी है। अब महज 5 मिल ही है जो चालू है और उनके पास भी बिक्री ना के बराबर है।

पुरानी इंडस्ट्री के लिए मुश्किल

जहां तक सुधार की बात है तो अभी तो व्यापार में सुधार की कोई उम्मीद नजर नहीं आती। कॉटन उद्योग में जो वक्त चल रहा है उसमें बहाव की दिशा में बहने में ही समझदारी है। सरकार यदि सहयोग करें तो उद्योग को थोड़ा बल मिल सकता है। सरकार की ओर से अभी सहयोग केवल नई इंडस्ट्री लगाने वालों को मिल रहा है, पुरानी इंडस्ट्री चलाने वाले को कोई सहायता नहीं दी जा रही है। हमारे राज्य में नई इंडस्ट्री लगाने वालों को 3 साल तक मंडी शुल्क की छूट दी जाती है। ऐसे में पुरानी इंडस्ट्री के लिए सर्वाइव करना मुश्किल होता जा रहा है।

2023 के मध्य तक कपास की कीमतें बढ़कर 75,000 रुपये प्रति कैंडी हो सकती हैं: सीएआई प्रेसिडेंट

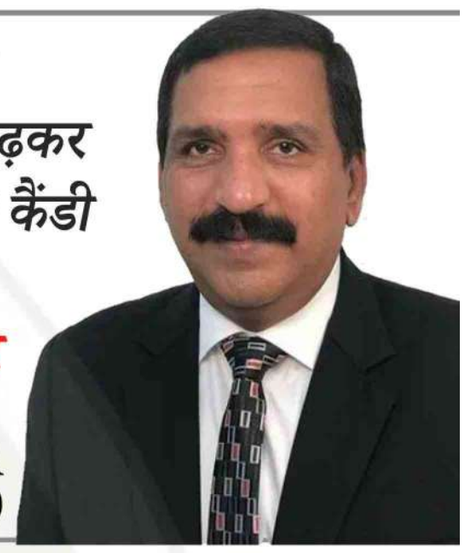

ATUL GANATRA
(CAI PRESIDENT)

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अतुल गनात्रा ने कहा कि कम कपास उत्पादन और उच्च भारतीय कपास की खपत को देखते हुए, बहुत जल्द शुद्ध कपास निर्यातक देश की भारतीय स्थिति शुद्ध कपास आयातक देश में बदल जाएगी। "वर्तमान में, भारतीय कपास की कीमतें 62,500-63,000 रुपये प्रति कैंडी हैं। ऐसा लग रहा है कि अभी भाव स्थिर रहेंगे लेकिन मई के बाद कपास की आवक कम होने लगेगी और कपास की कीमतें धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ेंगी। हमारा मानना है कि भारत में जून-जुलाई में कपास की कीमतें प्रति कैंडी 70,000-75,000 रुपये तक पहुंच सकती हैं।'

वैश्विक स्तर पर कपास की कीमतें चार महीने के निचले स्तर पर कारोबार कर रही हैं। हालांकि कपास की अधिक खपत के कारण भारतीय मिलों को कपास की अच्छी मांग दिख रही है। कपास की कीमतों में वृद्धि का श्रेय वैश्विक स्तर पर कमजोर मांग को दिया जा सकता है, जिसके कारण इस वर्ष कपास के निर्यात में कमी आई है। पिछले साल निर्यात 42 लाख गांठ था, लेकिन इस साल करीब 25 लाख गांठ रहने की उम्मीद है। "पिछले साल, हमारे कपास का निर्यात 42 लाख गांठ था, लेकिन इस साल, हमें उम्मीद है कि कपास का निर्यात लगभग 30 लाख गांठ होगा। लेकिन उच्च भारतीय कपास दर को देखते हुए, हम कपास के अनुमानित निर्यात को 30 लाख गांठ से घटाकर 25 लाख गांठ कर सकते हैं।

कमजोर मांग के बावजूद भारत मार्च तक 12 लाख गांठ कपास का निर्यात करने में सफल रहा है। कताई मिलों के मामले में उनका मानना है कि कताई मिलों के लिए यह अच्छा समय है। उन्होंने कहा, 'मिलें कम मुनाफा कमा रही हैं और 100 फीसदी क्षमता पर चल रही हैं।' पिछले दो महीनों से भारतीय मिलें मुनाफा कमा रही हैं। वह भारतीय कताई मिलों के लिए अच्छा भविष्य देख रहे हैं क्योंकि चीन, बांग्लादेश की गति धीमी हो रही है और इन दोनों देशों की मांग भारत में परिवर्तित हो रही है।

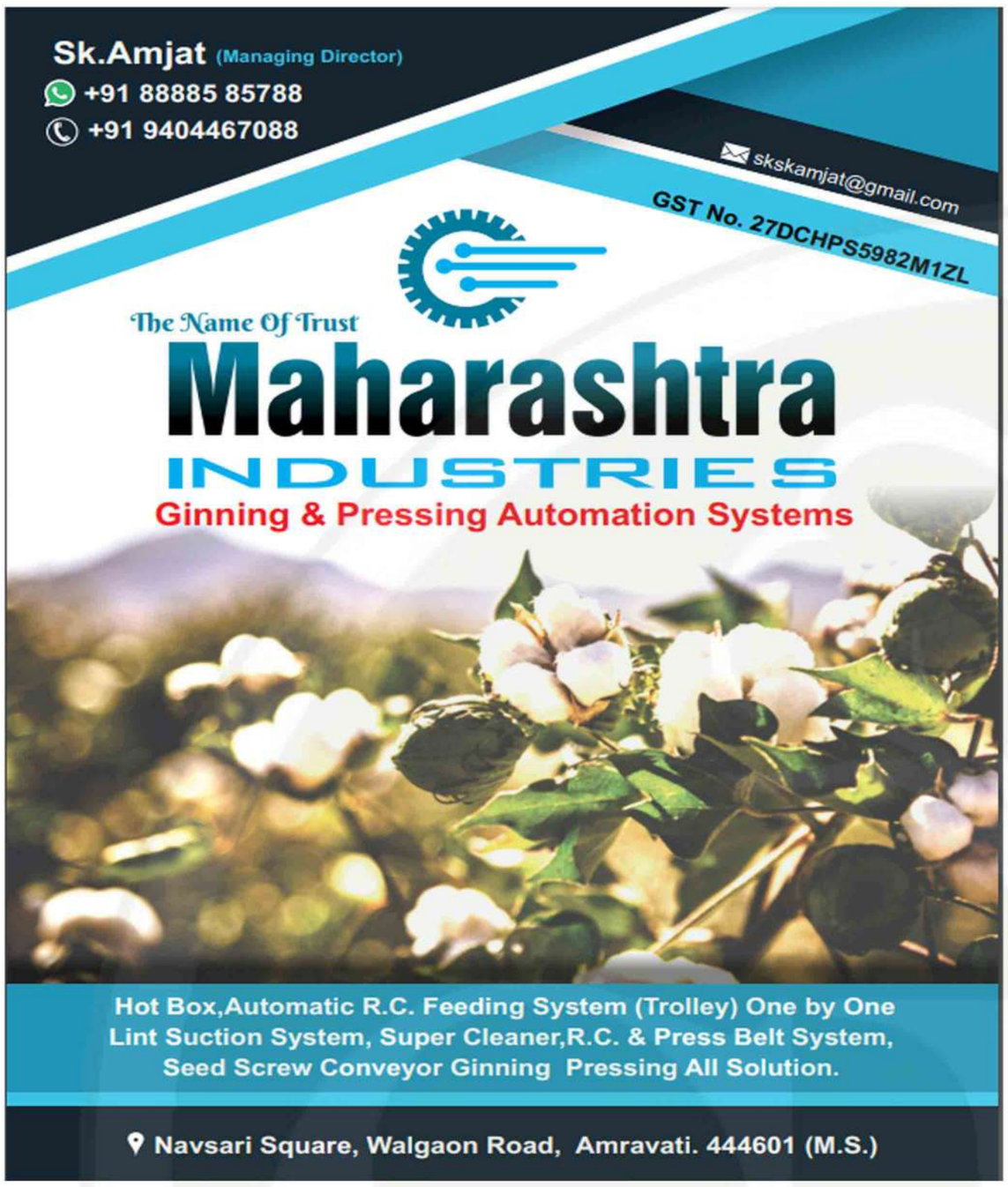

जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

10 से 15 अप्रैल 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल शेयर्स की वैल्यू पर एक नजर-

लगातार तीसरे सप्ताह शेयर मार्केट में तेजी का रूख बरकरार रहा है। इसका असर टेक्सटाइल सेग्मेंट पर भी दिखा है। इस सप्ताह भी लगभग सभी प्रमुख कंपनीज के शेयर्स पॉजिटिव मार्केट कैप हासिल करने में कामयाब रहे है। हालांकि वर्धमान टेक्सटाइल की शेयर वैल्यू थोड़ी गिरी है। बावजूद इसके निवेशकों के लिए यह एक राहतभरा सप्ताह रहा। आइए जानते है बीएसई के मंच पर कैसी रह प्रमुख कंपनीज की परफॉरमेंस -

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल %
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	308.6	315.65	297.25	-2.02%
अरविद लिमिटेड	98.02	100.63	88.29	10.93%
वेलसपन इंडिया	80.93	82.70	72.51	11.61%
नितिन स्पिनर्स	256.95	265	246.85	1.56%
रेमण्ड	1308.55	1339.35	1242.75	4.60%
अक्षिता कॉटन	67.69	67.8	63.25	7.02%

कॉटन के लिए गिरावट वाला रहा यह सप्ताह

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 15.04.2023

ICE COTTON			
MONTH	06.04.23	14.04.23	WEEKLY CHANGE
MAY	83.20	82.86	-0.34
JULY	83.47	83.93	0.46
DEC	83.24	82.80	-0.44
MCX (BALES) CANDY			
APRIL	63400	62940	-460
JUNE	64800	64420	-380
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1633	1582	-51
NCDEX (COCUD KHAL)			
APRIL	2825	2744	-81
MAY	2865	2775	-90
JUN	2907	2805	-102
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	81.89	81.85	-0.04
PAK (Pakistani Rupee)	288.141	284.448	-3.693
CNY (Chinese yuan)	6.87666	6.87088	-0.00578
BRAZIL (Real)	5.0341	4.90969	-0.12441
AUSTRALIAN Dollar	1.49376	1.4912	-0.00256
MALAYSIAN RINGGITS	4.399	4.40029	0.00129
COTLOOK "A" INDEX	94.85	96.85	2
BRAZIL COTTON INDEX	88.05	86.63	-1.42
USDA SPOT RATE	80.88	80.4	-0.48
MCX SPOT RATE	62540	62540	0
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	19300	19700	400
GOLD ($)	2023.9	2017.7	-6.2
SILVER ($)	25.13	25.465	0.335
CRUDE ($)	80.47	82.68	2.21

इस सप्ताह कॉटन के दामों में नेशनल और इंटरनेशनल दोनों ही एक्सचेंज मार्केट में गिरावट दर्ज की गई। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज मार्केट में मई, और दिसंबर माह के सौदा भाव में क्रमशः 0.34 और 0.44 सेंट की कमी दर्ज की गई। जबकि जुलाई माह के सौदा भाव में 0.46 सेंट की बढ़त देखी गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज मार्केट पर भी अप्रैल और जून माह के लिए भाव में क्रमशः 460 और 380 रूपए की कमी हुई है। एनसीडीएक्स पर कपास के भाव भी इस सप्ताह घटे है। अप्रैल माह के लिए कपास भाव में 51 रूपए की कमी दर्ज की गई है।

खल के लिए भी यह सप्ताह गिरावट वाला ही रहा। एनसीडीएक्स पर अप्रैल, मई और जून तीनों ही माह के सौदा भाव में क्रमशः 81 रूपए, 90 रूपए और 102 रूपए की कमी देखी गई है। अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो यह सप्ताह मिला-जुला कहा जा सकता है। कॉटलुक ए इंडेक्स पर 2 अंक की बढ़त और केसीए स्पॉट रेट पर 400 अंक की बढ़त इस सप्ताह हुई है। जबकि ब्राजील कॉटन इंडेक्स और यूएसडीए स्पॉट रेट पर भाव में क्रमशः 1.42 और 0.48 की कमी देखी गई है।

SIS REPORT

चैप्टर 52- 1 साल में मार्च माह का एक्सपोर्ट 313 मिलियन डॉलर हुआ कम

एक्सपोर्ट की दृष्टि से साल 2023 गिरावट का साल रहा है। चैप्टर 52 जिसमें कॉटन, कॉटन वेस्ट, यार्न और डेनिम शामिल है, के मार्च माह के एक्सपोर्ट के आंकड़े चैंकाने वाले है। मार्च 2022 में चैप्टर 52 का कुल एक्सपोर्ट 958 मिलियन डॉलर हुआ था, जो मार्च 2023 में घटकर महज 645 मिलियन डॉलर रह गया। एसआईएस की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2022 और मार्च 2023 में चैप्टर 52 के एक्सपोर्ट में कुल 313 मिलियन डॉलर की कमी आई है। विशेषज्ञों के अनुसार 1 साल में यह कमी बहुत बड़ी है।

भारत के कपास निर्यात में गिरावट, वर्षों में पहली बार आयात के बराबर निर्यात-यूएसडीए

भारत के कपास निर्यात में 2022-23 के लिए तेजी से गिरावट आने की उम्मीद है । यूएसडीए ने 2022-23 में भारतीय निर्यात में 500,000 गांठ से 1.8 मिलियन तक की गिरावट का अनुमान लगाया है, जो मोटे तौर पर इसके आयात पूर्वानुमान के बराबर है। यूएसडीए ने कहा, "कम घरेलू आपूर्ति, विदेशी लॉन्ग और एक्स्ट्रा-लॉन्ग स्टेपल ग्रेड की बढ़ी हुई मांग और ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) ने इस हालिया गतिशीलता का समर्थन किया है।"

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) ने मार्च में कहा था कि भारतीय स्टॉक 2022-23 में लगभग दो दशक के निचले स्तर तक गिर सकता है क्योंकि प्रतिकूल मौसम ने फसल की पैदावार को कम कर दिया है। "आने वाले महीनों में आपूर्ति में और गिरावट आएगी। अक्टूबर से नए सीजन की फसल शुरू होने तक निर्यात में तेजी नहीं आएगी।" यूएसडीए ने कहा कि हालांकि भारत के विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक होने का अनुमान था, 2022-23 में लगभग 1.8 मिलियन गांठ होने का अनुमान था, यह अभी भी 2021-22 के दौरान 6.2 मिलियन गांठ से काफी नीचे था।

सीएआई ने कहा था कि कम भारतीय उत्पादन से अमेरिका, ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रतिद्वंद्वियों को चीन और पाकिस्तान जैसे प्रमुख एशियाई खरीदारों को कार्गो बढ़ाने की अनुमति मिल सकती है, जबकि स्थानीय और वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। "आने वाले महीनों में आपूर्ति में और गिरावट आएगी। अक्टूबर से नए सीजन की फसल शुरू होने तक निर्यात में तेजी नहीं आएगी।" सीएआई ने कहा था कि कम भारतीय उत्पादन से अमेरिका, ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रतिद्वंद्वियों को चीन और पाकिस्तान जैसे प्रमुख एशियाई खरीदारों को कार्गो बढ़ाने की अनुमति मिल सकती है, जबकि स्थानीय और वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।

यूएसडीए ने कहा कि हालांकि भारत के विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक होने का अनुमान था, 2022-23 में लगभग 1.8 मिलियन गांठ होने का अनुमान था, यह अभी भी 2021-22 के दौरान 6.2 मिलियन गांठ से काफी नीचे था। "अगर भारत आयात में वृद्धि करता है और हम उच्च मांग देखते हैं, तो आईसीई कपास की कीमतें बढ़ सकती हैं। लेकिन आर्थिक परिस्थितियों के कारण मांग धीमी रही है।" वैश्विक बेंचमार्क अमेरिकी कपास वायदा कीमतों में लगातार तीसरी मासिक गिरावट दर्ज की जा रही है और मांग की चिंताओं के कारण इस साल अब तक 1% से अधिक की गिरावट आई है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कपास की मांग बढ़ने से बढ़ी कीमत, किसान हुए खुश

किसानों के लिए एक अच्छी खबर है। कपास के दाम 700 रुपये से बढ़कर हजार रुपये प्रति क्विंटल हुए हैं। पिछले कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कपास की मांग बढ़ी है और भाव अच्छे मिल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कपास के दाम बढ़ने से घरेलू कपास बाजार में भी तेजी आई है।

बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन ने की सूती धागे के आयात पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने की मांग

बांग्लादेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन (BTMA) ने डॉलर की कमी के बीच विदेशी मुद्रा को बनाए रखने और परिधान मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने के लिए देश के रेडीमेड परिधान उद्योग में उपयोग किए जाने वाले सूती धागे के आयात को अस्थायी रूप से रोकने का आग्रह किया है।

अल नीनो के कारण 2023 में भारत में सामान्य से कम बारिश की संभावना

स्काईमेट ने उप-मानसून के अपने पिछले दृष्टिकोण को बरकरार रखते हुए कहा, भारत में मानसून की बारिश लंबी अवधि के औसत का 94% होने की उम्मीद है।अल नीनो की संभावना बढ़ रही है और मानसून के दौरान इसके प्रमुख श्रेणी बनने की संभावना बढ़ रही है।

आंध्र के किसानों से 400 टन जैविक कपास खरीदेगा एनजीओ

भारत में प्राकृतिक फाइबर के तहत 125 लाख हेक्टेयर में जैविक कपास का हिस्सा सिर्फ 1-2 प्रतिशत है। आंध्रप्रदेश में आदिवासी किसानों के साथ काम करने वाले एक गैर-सरकारी संगठन ने 2022-23 के खरीफ सीजन में 400 टन जैविक कपास की खरीद के लिए लगभग 3,000 आदिवासी किसानों को एक साथ रखा है।

चीन से लिनेन यार्न पर डंपिंग रोधी शुल्क निर्धारित करेगा भारत

भारत के वाणिज्य मंत्रालय के डीजीटीआर ने चीन से आयातित लिनन यार्न के रूप में जाने जाने वाले फ्लेक्स पर डंपिंग रोधी शुल्क जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने के लिए एक जांच शुरू की है। दरअसल, मौजूदा शुल्क 17 अक्टूबर, 2023 को समाप्त होने वाले हैं।

फिजिकल मार्केट में भी इस सप्ताह घटे कॉटन के दाम

कॉटन के लिए यह सप्ताह गिरावट वाला रहा। एक्सचेंज मार्केट की तरह ही फिजिकल मार्केट में भी भाव में कमी दर्ज की गई है। नार्थ झोन में पंजाब में 50 जबकि अपर राजस्थान में 10 रूपए प्रति मंड तक भाव गिरे है। हरियाणा में भाव में कोई अंतर नहीं रहा है।

सेंटल झोन में मध्यप्रदेश में 1000 रूपए प्रति कैंडी तक की भारी गिरावट देखी गई है। महाराष्ट्र में 500 रूपए भाव कम हुए है जबकि गुजरात में भाव में कोई खास अंतर नहीं आया है।

साउथ झोन में भी भाव में गिरावट का दौर रहा। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 1000 रूपए प्रति कैंडी, आंध्र प्रदेश में 500 रूपए प्रति कैंडी जबकि तेलंगाना में 600 रूपए प्रति कैंडी तक की गिरावट इस सप्ताह हुई है। उड़िसा में भाव ज्यों के त्यों ही बने रहें।

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 15.04.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	10.04.23		15.04.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,300	6,400	6,300	6,350	-50
HARYANA	27.5/28	6,300	6,400	6,300	6,400	0
UPER RAJASTHAN	28	6,510	6,610	6,500	6,600	-10
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,500	63,000	62,500	63,000	0
MADHYA PRADESH	29	62,600	62,900	61,600	61,900	-1,000
MAHARASHTRA	29 vid.	62,000	63,000	62,000	62,500	-500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	63,100	63,200	63,100	63,200	0
KARNATAKA	29.5/30 mm	62,500	63,500	61,500	62,500	-1,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	63,000	63,800	62,700	63,300	-500
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	63,200	63,800	62,500	63,200	-600
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						

NEWSLETTER

Saturday, 15 April 2023 | Volume - 41

Chapter 52- Exports in the month of March decreased by $ 313 million in 1 year

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

GOLD : 60348
SILVER : 75665
CRUD OIL : 6759

Last year, there was a boom in the cotton market, due to which many traders also made profits, but this year the prices remained almost the same from the beginning to the end. Still cotton is trading between 7000 to 8000. Several constraints like slow arrivals, lack of demand and low yields have hit the cotton industry this time. As a result, mills and factories are forced to operate at less than half their capacity. It would not be wrong to say that the cotton industry is in 40 per cent loss this year. This is to say by Pawan Mittal, a well-known cotton seed broker from Sriganganagar, Rajasthan. They do business in Rajasthan, Gujarat, Maharashtra, Haryana and Punjab.

Cotton industry is in 40% loss

पवन मित्तल
(कॉटन, सीड ब्रोकर एंड ट्रेडर)

He said that the ups and downs of the cotton market have a direct impact on the products related to it. This time the demand is very less in the seed market as well. The overall market has been stable for the last 3-4 months. The season of barley, wheat and millet has arrived. Barley is available in the market at Rs 16 per kg, while oilseed is available at Rs 32 per kg. That's why people are using barley more as animal feed. Apart from this, the powder of cattle feed available in the market is also available for Rs 12-13 per kg, that is why the demand for expensive animal feed like Khal has reduced a lot.

Farmer is in the role of businessman

The government is ready to help the farmers, due to which the capacity of the farmers has increased a lot. They are getting the amount without interest, compensation for crop loss. Due to all these reasons their economic condition has improved. But its disadvantage is that the farmer has come into the role of a trader. This time the pace of business has slowed down a lot because of the way the farmers have held back the cotton.

No sale

There are 50 cotton factories in our district, at present only 25 are in running condition and that too is running only for 12 hours instead of 20 hours. There are altogether 30 oil mills in Hanumangarh and Ganganagar, which make oil. This season only 15 of them remained operational and in the present situation 10 out of these 15 have been closed. Now there are only 5 mills which are operational and they also have negligible sales.

Difficult for old industry

As far as improvement is concerned, at present there is no hope of improvement in business. In the current times in the cotton industry, it is prudent to go with the flow. If the government cooperates, then the industry can get some strength. Right now only those who are setting up new industries are getting help from the government, no help is being given to those running old industries. Those who set up new industries in our state are given exemption of market fee for 3 years. In such a situation, it is becoming difficult for the old industry to survive.

Cotton prices may rise to Rs 75,000 per candy by mid-2023: CAI President

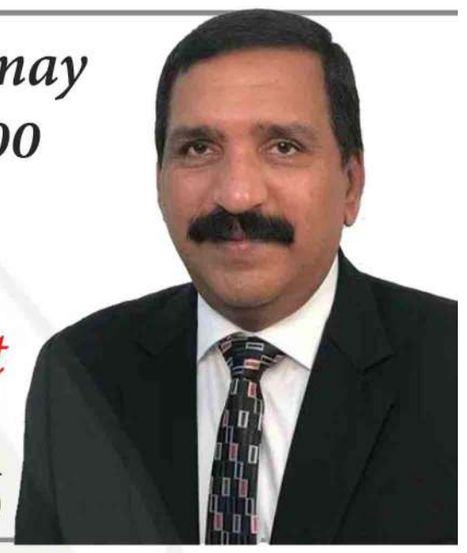

ATUL GANATRA
(CAI PRESIDENT)

Atul Ganatra, President, Cotton Association of India, said that considering the low cotton production and high Indian cotton consumption, very soon India's status from a net cotton exporting country will change to a net cotton importing country. "Currently, Indian cotton prices are at Rs 62,500-63,000 per candy. It looks like the prices will remain stable for now but after May the cotton arrivals will start reducing and cotton prices will gradually move upwards. We believe cotton prices in India may touch Rs 70,000-75,000 per candy in June-July.

Globally, cotton prices are trading at a four-month low. However, due to higher cotton consumption, Indian mills are seeing good demand for cotton. The rise in cotton prices can be attributed to weak demand globally, due to which cotton exports have come down this year. Last year the export was 42 lakh bales, but this year it is expected to be around 25 lakh bales. "Last year, our cotton exports were 42 lakh bales, but this year, we expect cotton exports to be around 30 lakh bales. But considering the high Indian cotton rate, we can reduce the estimated export of cotton from 3 million bales to 2.5 million bales.

Despite weak demand, India has been able to export 1.2 million bales of cotton till March. In the case of spinning mills, he believes that this is a good time for spinning mills. "The mills are making less profit and running at 100 per cent capacity," he said. Indian mills have been making profits for the last two months. He sees a good future for Indian spinning mills as China, Bangladesh are slowing down and demand from these two countries is shifting to India.

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

EDITOR - RAKSHA BHAGAT JAIN
(+91 - 74150 28064)

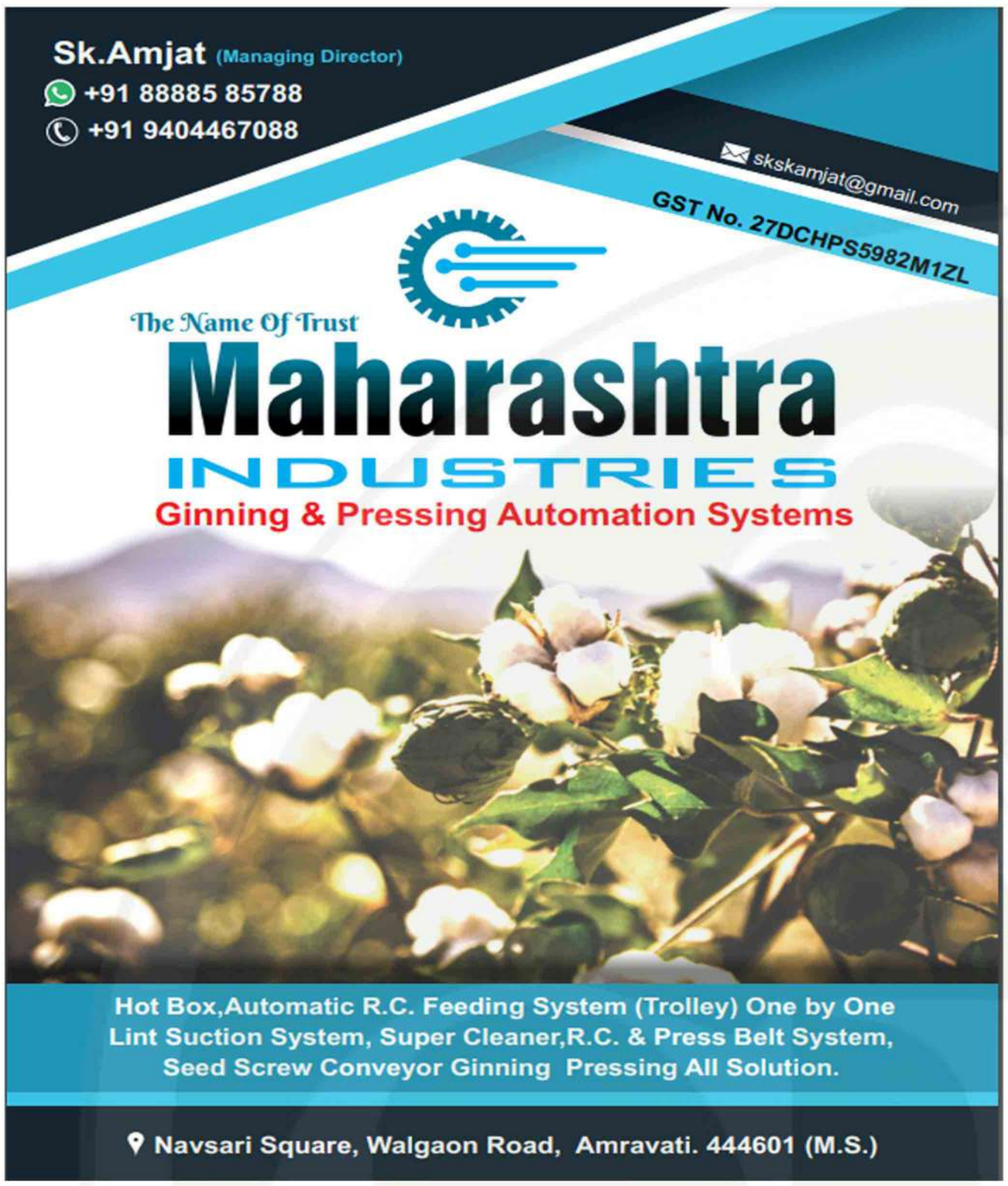

Know how this week was for textile investors

A look at the value of major textile shares between 10 to 15 April 2023-

The bullish trend in the stock market has remained intact for the third consecutive week. Its effect has also been seen on the textile segment. This week also, shares of almost all major companies have managed to achieve positive market cap. Although the share value of Vardhman Textile has fallen slightly. Despite this, it was a relieving week for investors. Let's know how the performance of major companies was on the BSE platform -

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOWEST PRICE	CHANGE IN %
VARDHAMAN TEXTILE LIMITED	308.6	315.65	297.25	-2.02%
ARVIND LIMITED	98.02	100.63	88.29	10.93%
WELSPUN INDIA	80.93	82.70	72.51	11.61%
NITIN SPINNERS	256.95	265	246.85	1.56%
RAYMOND	1308.55	1339.35	1242.75	4.60%
AXITA COTTON	67.69	67.8	63.25	7.02%

This week has been a downfall for cotton

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77771 - 5 WEEKLY CHART 15.04.2023			
ICE COTTON			
MONTH	06.04.23	14.04.23	WEEKLY CHANGE
MAY	83.20	82.86	-0.34
JULY	83.47	83.93	0.46
DEC	83.24	82.80	-0.44
MCX (BALES) CANDY			
APRIL	63400	62940	-460
JUNE	64800	64420	-380
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1633	1582	-51
NCDEX (COCUD KHAL)			
APRIL	2825	2744	-81
MAY	2865	2775	-90
JUN	2907	2805	-102
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	81.89	81.85	-0.04
PAK (Pakistani Rupee)	288.141	284.448	-3.693
CNY (Chinese yuan)	6.87666	6.87088	-0.00578
BRAZIL (Real)	5.0341	4.90969	-0.12441
AUSTRALIAN Dollar	1.49376	1.4912	-0.00256
MALAYSIAN RINGGITS	4.399	4.40029	0.00129
COTLOOK "A" INDEX	94.85	96.85	2
BRAZIL COTTON INDEX	88.05	86.63	-1.42
USDA SPOT RATE	80.88	80.4	-0.48
MCX SPOT RATE	62540	62540	0
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	19300	19700	400
GOLD ($)	2023.9	2017.7	-6.2
SILVER ($)	25.13	25.465	0.335
CRUDE ($)	80.47	82.68	2.21

This week, cotton prices declined in both the national and international exchange markets. In the International Cotton Exchange market, the May and December deals declined by 0.34 and 0.44 cents, respectively. While the deal price for the month of July saw an increase of 0.46 cents.

On the Multi Commodity Exchange market, the prices for the months of April and June have decreased by Rs.460 and Rs.380 respectively. Cotton prices on NCDX have also declined this week. For the month of April, a decrease of Rs 51 has been registered in the cotton price.

This week has been a downfall for Khal as well. On NCDX, for the three months of April, May and June, a decrease of Rs. 81, Rs. 90 and Rs. 102 has been observed respectively.

If we look at the exchange market of other countries, this week can be said to be mixed. A 2 point gain on the Cotlook A Index and a gain of 400 points on the KCA spot rate has taken place this week. While the Brazilian Cotton Index and the USDA spot rate saw a decrease of 1.42 and 0.48 respectively.

SIS REPORT

Chapter 52- Exports in the month of March decreased by $ 313 million in 1 year

From the point of view of exports, the year 2023 has been a year of decline. Chapter 52, which includes cotton, cotton vest, yarn and denim, has shocking export figures for the month of March. The total export of Chapter 52 in March 2022 was $ 958 million, which came down to just $ 645 million in March 2023. According to the research report of SIS, there is a total decrease of $ 313 million in Chapter 52 exports in March 2022 and March 2023. According to experts, this shortfall in 1 year is huge.

India's cotton exports fall, exports equal to imports for the first time in years: USDA

India's cotton exports are expected to decline sharply for 2022-23. The USDA projects a decline in Indian exports from 500,000 bales to 1.8 million in 2022-23, roughly equal to its import forecast. "Low domestic supplies, increased demand for overseas long and extra-long staple grades and the Australia-India Economic Cooperation and Trade Agreement (ECTA) have supported this recent momentum," the USDA said.

The Cotton Association of India (CAI) said in March that Indian stocks could fall to a nearly two-decade low in 2022-23 as adverse weather reduced crop yields. "Supply will fall further in the coming months. Exports will not pick up till the new season harvest starts from October." The USDA said that although India was projected to be the third largest exporter globally, at around 1.8 million bales in 2022-23, it was still far below the 6.2 million bales during 2021-22.

The CAI had said that lower Indian production could allow rivals such as the US, Brazil and Australia to increase cargoes to major Asian buyers such as China and Pakistan, while pushing up local and global prices. "Supply will fall further in the coming months. Exports will not pick up till the new season harvest starts from October." The CAI had said that lower Indian production could allow rivals such as the US, Brazil and Australia to increase cargoes to major Asian buyers such as China and Pakistan, while pushing up local and global prices.

The USDA said that although India was projected to be the third largest exporter globally, at around 1.8 million bales in 2022-23, it was still far below the 6.2 million bales during 2021-22. “If India increases imports and we see higher demand, ICE cotton prices could go up. But demand has been slow due to economic conditions.” Global benchmark US cotton futures posted a third consecutive monthly decline and are down more than 1% so far this year on demand concerns.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

Increase in the demand of cotton in the international market has increased the price, farmers are happy

There is a good news for the farmers. The price of cotton has increased from Rs 700 to Rs 1000 per quintal. For the last few days, the demand for cotton has increased in the international market and prices are getting good. Due to the increase in the price of cotton in the international market, the domestic cotton market has also increased.

Bangladesh Textile Mills Association demands temporary ban on import of cotton yarn

The Bangladesh Textile Mills Association (BTMA) has urged a temporary halt to imports of cotton yarn used in the country's readymade garment industry to retain foreign exchange and boost apparel value addition amid a dollar crunch.

India likely to receive below normal rainfall in 2023 due to El Nino

Monsoon rainfall over India is expected to be 94% of the long period average, Skymet said while retaining its earlier outlook of sub-monsoon. El Nino is becoming more likely to become the dominant category during the monsoon.

NGO to buy 400 tonnes of organic cotton from Andhra farmers

Organic cotton accounts for only 1-2 per cent of the 12.5 million hectares under natural fiber in India. An NGO working with tribal farmers in Andhra Pradesh has brought together around 3,000 tribal farmers to procure 400 tonnes of organic cotton in the 2022-23 Kharif season.

India to set anti-dumping duty on linen yarn from China

The DGTR of India's Ministry of Commerce has initiated an investigation to review the need for continuation of anti-dumping duty on flax, known as linen yarn, imported from China. In fact, the current charges are due to expire on October 17, 2023.

Cotton prices also decreased in the physical market this week

It has been a down week for cotton. Like the exchange market, a decrease in prices has also been recorded in the physical market. 50 in Punjab in the North Zone, whereas in Upper Rajasthan the prices have fallen up to Rs.10 per mand. There has been no difference in prices in Haryana.

Madhya Pradesh in the central zone has seen a huge decline of up to Rs 1000 per candy. In Maharashtra, the price has decreased by Rs 500, while in Gujarat there is no significant difference in the price.

There was a period of decline in prices in South Zone as well. Karnataka has seen the highest drop of Rs 1000 per candy, Andhra Pradesh Rs 500 per candy while Telangana has seen a drop of up to Rs 600 per candy this week. In Orissa, the prices should remain the same.

SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 15.04.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	10.04.23		15.04.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	6,300	6,400	6,300	6,350	-50
HARYANA	27.5/28	6,300	6,400	6,300	6,400	0
UPER RAJASTHAN	28	6,510	6,610	6,500	6,600	-10
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	62,500	63,000	62,500	63,000	0
MADHYA PRADESH	29	62,600	62,900	61,600	61,900	-1,000
MAHARASHTRA	29 vid.	62,000	63,000	62,000	62,500	-500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	63,100	63,200	63,100	63,200	0
KARNATAKA	29.5/30 mm	62,500	63,500	61,500	62,500	-1,000
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	63,000	63,800	62,700	63,300	-500
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	63,200	63,800	62,500	63,200	-600
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						